खबर संक्षेप

धान खरीदी में बड़ा खेल ओपन कैंप में बदरा-मिट्टी और पत्थर जमा कराने का आरोप

मैहर। जिले में सरकारी धान खरीदी व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है।आरोप लगाए जा रहे है कि सोनौरा और देऊरी के ओपन कैंपों में सरकारी खरीदी का माल जमा तो किया गया,लेकिन धान की गुणवत्ता को लेकर बड़ा खेल सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक इन कैंपों में धान के साथ बदरा,मिट्टी और पत्थर तक जमा कराए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि यह सब सर्वेयर और संबंधित अधिकारियों की कथित साठगांठ से हुआ जिससे सरकारी खरीदी की पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मैहर क्षेत्र से ट्रकों के जरिए सरकारी खरीदी का माल इन ओपन कैंपों में पहुंचाया गया, लेकिन जब गुणवत्ता की बात सामने आई तो उसमें भारी गड़बड़ी के संकेत मिले।स्थानीय सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले में कुछ लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं जिनमें सर्वेयर की भूमिका को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि इन्हीं की मिलीभगत से खराब माल-जिसमें बदरा,मिट्टी और पत्थर तक शामिल बताए जा रहे हैं जो की ओपन कैंप में धड़ल्ले से जमा कराया गया। आरोप लगाए जा रहे हैं कि कथित तौर पर उच्च स्तर पर सांठगांठ कर पूरी प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। यहां तक कि एक बार इसकी जांच भी हुई लेकिन जिस अधिकारी ने जांच की उसको यहां कुछ नहीं मिला मतलब साफ है कि प्रशासन भी मिला हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब इतनी गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं तो मैहर जिला प्रशासन आखिर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा?

श्री रामनवमीं महोत्सवः घर-घर संपर्क से बना उत्सव का माहौल

सतना। हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्री रामनवमी महोत्सव के अंतर्गत 'अबकी बार-हर परिवार' संकल्प को लेकर नगर में उत्साह का वातावरण है। कश्यप मैरिज हॉल में आयोजित 'शक्ति केन्द्र कोर कमेटी' की बैठक में उत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में मुख्य वक्ता उत्तम बैनर्जी ने बताया कि नगर के 9 शक्ति केंद्रों के माध्यम से सभी 45वार्डों में जनसंपर्क अभियान जारी है।लगभग 1500 कार्यकर्ता घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र,अयोध्या से आई पवित्र रज और अभिमंत्रित अक्षत का वितरण कर रहे हैं।19 मार्च (वर्ष प्रतिपदा) से शुरू होने वाले इस महोत्सव में प्रति दिन वाहन रैलियां और राम जागरण यात्राएं निकाली जाएंगी। समिति के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी और अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में सभी वार्ड प्रभारियों को कलश व ध्वज वितरित किए गए। पूरे शहर को ध्वज और तोरण द्वारों से सजाया जा रहा है। बैठक में नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी सहित चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन श्याम लाल गुप्ता ने और आभार प्रदर्शन किरण गुप्ता द्वारा किया गया।

कोलकाता फ्लावर में भीषण अग्निकांड, जलकर राख हुआ डेकोरेशन गोदाम

सर्किट हाउस चौक पर मची अफरा-तफरी,आग की चपेट में आने से कार और बाइक भी स्वाहा

सतना।

शहर के सबसे व्यस्ततम और वीआईपी इलाके सर्किट हाउस चौक पर सोमवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया,जब नगर निगम कार्यालय के समीप स्थित 'कलकत्ता फ्लावर डेकोरेशन' के गोदाम में भीषण आग भड़क उठी। आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटों ने देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी आगोश में ले लिया। धुएं का काला गुबार लगभग एक किलोमीटर दूर से ही आसमान में दिखाई दे रहा था,जिससे आसपास के रिहायशी इलाकों और दुकानों में दहशत फैल गई।

दोपहर 2:30 बजे भड़की आग

जानकारी के अनुसार,दोपहर करीब 2:30 बजे गोदाम से आग की लपटें उठती देखी गईं।गोदाम में शादियों और अन्य आयोजनों में इस्तेमाल होने वाला भारी मात्रा में सजावटी सामान (प्लास्टिक,कपड़े और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं) रखा था,जिसने आग में घी का काम किया।सूचना मिलते ही पुलिस बल,नगर निगम का अमला और दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी और पानी की लगातार बौछारें की गईं।

वाहन भी आए चपेट में जनहानि टली

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पास खड़ी एक कार और एक बाइक भी इसकी चपेट में आकर बुरी तरह जल गईं। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की खबर मिलते ही शहर के कई जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। विंध्य चैंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा,नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

सवालों के घेरे में 'फायर सेफ्टी' इंतजाम

इस अग्निकांड ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नियमों की अनदेखीः

शहर के मैरिज गार्डन और डेकोरेशन गोदामों में भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी जाती है,लेकिन अधिकांश स्थानों पर फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

दिखावा बने उपकरणः

कई प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र या तो हैं ही नहीं,और अगर हैं भी तो वे केवल औपचारिकता मात्र हैं।

प्रशासनिक ढिलाईः

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा इन व्यावसायिक गोदामों और मैरिज हाउसों की नियमित जांच नहीं की जाती। यदि समय-समय पर कड़ाई से निरीक्षण हो,तो ऐसे हादसों को रोका जा सकता है।

जांच जारीः

फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और प्रशासन की टीम मामले की विस्तृत जांच में जुटी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

नवरात्रि सफाई ठेका प्रक्रिया पर उठे सवाल, नियमों के अनुसार पारदर्शिता की मांग

मैहर

आगामी चैत्र नवरात्रि को देखते हुए मैहर में व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए माँ शारदा देवी मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था के लिए ठेका दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में नवरात्रि के दौरान सफाई व्यवस्था का ठेका लगभग 4 लाख रुपये में किया गया था,जबकि इस बार यही ठेका लगभग 20 लाख रुपये में दिया गया बताया जा रहा है। ठेके की राशि में आई इस उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं और लोगों द्वारा ठेका प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार इस बार सफाई कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि ठेकेदार को मुख्य रूप से श्रमिकों की व्यवस्था और कार्य संचालन करना होगा। ऐसे में यह प्रश्न भी उठ रहा है कि जब सामग्री की व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है,तो ठेके की राशि में इतनी वृद्धि किन आधारों पर निर्धारित की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी एवं सार्वजनिक संस्थानों में दिए जाने वाले ठेकों के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार निविदा प्रक्रिया, प्रतिस्पर्धी बोली (टेंडर) और कार्य की स्पष्ट शर्तें सार्वजनिक होना आवश्यक है,क्योंकि यह राशि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान से संचालित व्यवस्थाओं से जुड़ी मानी जाती है। ऐसे में नागरिकों का मानना है कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ठेका प्रक्रिया,अनुमानित लागत तथा चयन की शर्तों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए,ताकि किसी प्रकार की शंका की स्थिति उत्पन्न न हो और व्यवस्थाओं पर लोगों का विश्वास बना रहे।

एकेएस विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सशक्तिकरण व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय,सतना के महिला विकास केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के केंद्रीय सभागार में एक प्रेरक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का विषय राइट जस्टिस एक्शन फॉर ऑल वुमन एंड गर्ल्स रखा गया है, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित थीम है। कार्यक्रम की शुरुआत महिला विकास केंद्र की निदेशक डॉ.प्रियंका बागरी के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के अधिकार,समान अवसर और सामाजिक सशक्तिकरण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ.विधि संभरकर,विधि विभाग ने महिलाओं के अधिकार,न्याय और समानता के महत्व पर व्याख्यान दिया। वहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.रश्मि अग्रवाल ने "परिवार में कैंसर की रोकथाम में महिलाओं की मुख्य भूमिका" विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार,हरी सब्जियाँ,ताजे फल,पर्याप्त पानी और नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य अच्छा रखा जा सकता है। साथ ही जंक फूड,अत्यधिक तले-भुने भोजन और हानिकारक पदार्थों से बचने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अश्विनी बाऊ विभागाध्यक्ष,बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को मिला वैचारिक मार्गदर्शन

मैहर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत बेरमा मंडल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी ने सहभागिता कर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की विचारधारा,कार्यपद्धति तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर वरिष्ठ नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी ने कहा कि यह प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

करोड़ों की 'शत्रु संपत्ति' को निजी हाथों में सौंपने का बड़ा खेल, तहसीलदार ने कहा-जल्दी देंगे जांच रिपोर्ट

सतना। शहर के उमरी क्षेत्र में सरकारी बेशकीमती जमीन को खुर्द-बुर्द कर निजी हाथों में सौंपने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दशकों पहले जो जमीनें सरकारी दस्तावेजों में 'पाकिस्तानी' मालिकाना हक के रूप में दर्ज थीं,वे आज रहस्यमयी तरीके से एकनिजी व्यक्ति के नाम पर दर्ज हो चुकी हैं। मामला उजागर होते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है और कड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

राजस्व रिकॉर्ड में 'पाकिस्तानी' से 'निजी' तक का सफर

राजस्व अभिलेखों की पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वर्ष 1954-55 और 1958-59 के रिकॉर्ड के अनुसार,पटवारी हल्का बगहा के ग्राम उमरी की आराजी नंबर 343,344,348,349, 351/ 367 और 352 के मूल स्वामी मोहम्मद यूसुफ पिता दलेल खां थे।दस्तावेजों में उनके नाम के आगे स्पष्ट रूप से 'पाकिस्तानी' अंकित था। नियमानुसार,विभाजन के समय जो लोग भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए, उनकी संपत्तियां 'कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रॉपर्टी फॉर इंडिया' के अधीन होती हैं। लेकिन, उमरी की इस बेशकीमती जमीन के साथ बड़ा खेल किया गया और वर्तमान रिकॉर्ड में यह जमीन घनश्याम दास अग्रवाल के नाम पर दर्ज पाई गई।

नामांतरण और क्रय-विक्रय पर रोक

मामला संज्ञान में आते ही एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया ने इसे अत्यंत गंभीर माना है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से संबंधित पटवारी विजय सिंह को आदेश दिया है कि खसरे के कैफियत कॉलम में इन जमीनों के क्रय-विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध दर्ज करें। जांच पूरी होने तक भूमि के बटांकन,हस्तांतरण या किसी भी प्रकार के डायवर्जन पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है।

तहसीलदार का बयान : जल्द सौंपी जाएगी जांच रिपोर्ट

इस मामले में रघुराजनगर तहसीलदार सौरभ मिश्रा ने आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि एसडीएम कार्यालय से पत्र प्राप्त हुआ है।संबंधित सभी आराजियों के नामांतरण की बारीकी से जांच की जा रही है। बंदोबस्त काल से लेकर वर्तमान तक के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जांच पूरी होते ही विस्तृत रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी जाएगी।

गंभीर सवालः मिलीभगत या साजिश?

यह मामला केवल एक लिपिकीय त्रुटि नहीं,बल्कि एक सुनियोजित साजिश की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि जब जमीन का विधिक स्वामित्व भारत सरकार के पास था,तो बिचौलियों और राजस्व कर्मियों की मिलीभगत के बिना यह निजी नाम पर कैसे दर्ज हुई? पटवारी ने पुष्टि की है कि खसरे में अब 'शत्रु संपत्ति' दर्ज कर दी गई है।यदि जांच में नामांतरण अवैध पाए जाते हैं,तो करोड़ों की यह जमीन वापस सरकार के खाते में जाएगी और संबंधित दोषियों पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई होना तय है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला का भव्य आगाज

सतना। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग (कला संकाय) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का सोमवार को रंगारंग शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने कैनवास पर रंगों के माध्यम से भगवान श्री गणेश की आकृति बनाकर किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चित्रकार सुश्री गीता दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कला समाज और संस्कृति की संवाहकः प्रो.आलोक चौबे

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने कहा कि चित्रकला केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कलाकार का काम केवल आकृति बनाना नहीं,बल्कि उसके माध्यम से एक अनकही कहानी को बयां करना है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के कल्पनाशील विचारों को नया आकार और दिशा देने का एक अद्भुत मंच है।

अनुभूतियों को रंगों में ढालने की प्रक्रिया

मुख्य अतिथि सुश्री गीता दास ने युवा कलाकारों को प्रेरित करते हुए कहा कि चित्रकला तकनीक से कहीं अधिक जीवन की अनुभूतियों को रंगों में ढालने की प्रक्रिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन में युवाओं को अपनी कला निखारने का यह बेहतरीन अवसर है।

कार्यशाला की मुख्य विशेषताएं

प्रतिभागीः देश भर से आए दो दर्जन से अधिक कलाकार अपनी कूंची से कैनवास पर रंग भर रहे हैं। विषयः प्रदर्शनी में प्रकृति, लोकजीवन,संस्कृति, सामाजिक सरोकार और समकालीन विषयों पर आधारित चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। 18 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन में लाइव पेंटिंग,संवाद सत्र और कला तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

कार्यक्रम के दौरान कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो.नन्द लाल मिश्रा ने कला को विचारों की जीवंत अभिव्यक्ति बताया। विभागाध्यक्ष डॉ.प्रसन्न पाटकर ने कला के बहुआयामी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, जबकि कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अभय कुमार वर्मा ने कलाकारों का परिचय कराया। अंत में आयोजक डॉ.राकेश कुमार और क्यूरेटर मनु वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों,शोधार्थियों और स्थानीय कला प्रेमियों के लिए अनुभवी कलाकारों से प्रत्यक्ष संवाद करने का एक सुनहरा अवसर साबित हो रहा है।

कर्तव्य की वेदी पर थमी सांसें: रिटायरमेंट से पहले एएसआई प्रभुनाथ तिवारी का निधन

सतना। पुलिस विभाग के एक निष्ठावान प्रहरी,एसहायक उपनिरीक्षक प्रभुनाथ तिवारी ने ड्यूटी निभाते हुए दुनिया को अलविदा कह दिया। सभापुर थाने में पदस्थ 62 वर्षीय श्री तिवारी का रविवार देर रात इलाज के दौरान निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम ड्यूटी के दौरान उन्हें अचानक सीने में दर्द और बेचैनी महसूस हुई। वे स्वयं बाइक चलाकर अपने कमरे तक पहुँचे, जहाँ हालत गंभीर देख परिजनों ने उन्हें सतना के आयुष्मान अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने उपचार शुरू किया, लेकिन देर रात करीब 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया गया है कि वे पहले से हृदय रोग से ग्रसित थे।

भावुक करने वाली बात यह है कि श्री तिवारी इसी वर्ष जुलाई में सेवानिवृत्त (रिटायर) होने वाले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मूलतः रीवा के कोनी गांव निवासी प्रभुनाथ जी अपने सरल और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके आकस्मिक निधन से पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

खबर संक्षेप

रंग रोगन की राह तक रहा तहसील कार्यालय

पवई। नगर मे संचालित होने मुख्य कार्यालय जहां एस डी एम तहसीलदार बैठते है प्रतिदिन सैकड़ो लोग अपने काम के लिए तहसील कार्यालय आते है भवन की हालत देख लोगो के मन मे यह ख्याल तो जरूर आता होगा कि अन्य शासकीय कार्यालयों रंग रोगन और स्पष्ट अक्षरों मे विभाग का अंकित रहता है लेकिन तहसील मुख्यालय जिस नाम से जाना जाता है वही कार्यालय भवन अनाथ जैसी हालत मे दिखाई दे रहा है भवन के बाजू मे लगी सरकार की योजनाओ की होडिंग भी देख रेख के आभाव मे छत विछित हो रही है । इससे जाहिर होता है कि तहसील कार्यालय मे बैठने वाले जिम्मेदार अधिकारी अपने कार्यालय के प्रति कितने सजग व जिम्मेदार होगे।

रेलवे लाइन किनारे घायल मिला अधेड़

कटनी। बीना रेलखंड पर स्थित पटोरा रेलवे स्टेशन के पास रविवार दोपहर एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति लहूलुहान और गंभीर हालत में मिला। रेलवे लाइन के किनारे अधमरी स्थिति में पड़े इस व्यक्ति को रेल कर्मचारियों और पुलिस की मदद से तत्काल रीठी के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर करीब 12 बजे पटोरा रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात रेल कर्मचारियों की नजर रेलवे लाइन के समीप पड़े एक अधेड़ पर पड़ी। व्यक्ति की हालत बेहद चिंताजनक थी जिसे देखते हुए कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का जायजा लिया। घायल व्यक्ति को 108 एंबुलेंस की मदद से रीठी के शासकीय अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है। फिलहाल घायल की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घायल व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों और थानों में संपर्क कर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना

कटनी। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा चालक, घरेलू कामगारों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना शुरू की गई है। इसके पात्रता के लिए आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा मासिक आमदनी 15 हजार रूपये से कम हो। उनके लिये केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना प्रारम्भ की गई है। योजना में पंजीकृत श्रमिक को 60 वर्ष की आयु के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये निश्चित मासिक पेंशन दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना में श्रमिक और सरकार द्वारा अंशदान दिया जाता है। अंशदान की राशि श्रमिक की आयु अनुसार 55 रूपये से 200 रुपये तक निर्धारित है। यदि लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है तो पति,पत्नी को पेंशन का 50 प्रतिशत (1500 रूपये) दिये जाने के प्रावधान है।

कांग्रेस ने दिया समर्थन, प्रशासन के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

नगर परिषद गुनौर में सफाई ठप- तीन महीने से वेतन न मिलने पर सफाई कर्मी हड़ताल पर, सड़कों पर लगा गंदगी का अंबार

गुनौर।

नगर परिषद गुनौर के सफाई कर्मचारियों ने पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सोमवार को नगर परिषद कार्यालय के सामने धरने पर बैठे सफाई कर्मियों ने नगर सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन न मिलने से उनके घरों में चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है और वे कर्ज की मार झेल रहे हैं।

शहर में स्वच्छता व्यवस्था चरमराई-

सफाई कर्मियों के सामूहिक हड़ताल पर जाने से पूरे गुनौर नगर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मुख्य बाजारों से लेकर मोहल्लों तक कचरे के ढेर लग गए हैं। नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों को भारी दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेसियों ने दिया समर्थन-

सफाई कर्मियों की मांगों को जायज ठहराते हुए कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी उनके समर्थन में धरने पर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार और नगर परिषद प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ स्वच्छता का ढिंढोरा पीटा जाता है, वहीं दूसरी तरफ शहर को साफ रखने वाले श्स्वच्छता दूतोंश को उनका हक नहीं दिया जा रहा। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वेतन भुगतान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

कर्मचारियों का दो-टूक निर्णय-

हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनके पिछले तीन महीनों का वेतन उनके बैंक खातों में नहीं आ जाता, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि त्योहारों और घर के खर्चों के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है, जबकि अधिकारी उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं।

गिरवी रखे जेवर लौटाने से इंकार, सूदखोर से परेशान युवक ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

पन्ना। जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम झरकुआ निवासी एक युवक ने सूदखोर से परेशान होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ति का आरोप है कि उसने आर्थिक तंगी के कारण सोने-चांदी के जेवर गिरवी रखकर रुपए लिए थे, लेकिन अब पूरी रकम लौटाने के बाद भी आरोपी जेवर वापस नहीं कर रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम झरकुआ निवासी सुरेश अहिरवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसने मकरंदगंज निवासी सूरज अहिरवार के पास 16 हजार 700 रुपये के बदले अपने सोने-चांदी के जेवर गिरवी रखे थे। कुछ समय बाद जब उसने पूरी रकम वापस कर दी, तो आरोपी से जेवर लौटाने की मांग की। पीड़ति का आरोप है कि रकम चुकाने के बावजूद आरोपी जेवर वापस देने में आनाकानी कर रहा है और टालमटोल कर रहा है। कई बार कहने के बाद भी जब उसे न्याय नहीं मिला, तो मजबूर होकर वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। सुरेश अहिरवार ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उसे उसके गिरवी रखे सोने-चांदी के जेवर वापस दिलाए जाएं तथा आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं पुलिस अधिकारियों ने पीड़ति की शिकायत लेकर जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गुनौर में गैस की भारी किल्लत- चिलचिलाती धूप में घंटों कतारें, पुलिस के साये में बंट रहे सिलेंडर

गुनौर। क्षेत्र में इन दिनों घरेलू रसोई गैस की किल्लत ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही उपभोक्ताओं का तांता लग रहा है। आलम यह है कि सिर पर कड़ाके की धूप होने के बावजूद बुजुर्ग, महिलाएं और पुरुष घंटों कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। हैरानी की बात यह है कि एजेंसी परिसर में उपभोक्ताओं के लिए न तो छाया की कोई व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की। लोगों का आरोप है कि एजेंसी संचालक अपनी मनमानी कर रहे हैं, जिससे अव्यवस्था और बढ़ गई है। धूप में खड़े लोगों का कहना है कि प्रशासन और एजेंसी दोनों ही उनकी मूलभूत सुविधाओं के प्रति लापरवाह बने हुए हैं।

पुलिस की मौजूदगी में वितरण-

भीड़ बढ़ती देख और विवाद की स्थिति को टालने के लिए मौके पर गुनौर पुलिस को तैनात किया गया है। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में ही गैस सिलेंडरों का वितरण कराया जा रहा है ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

जनता की मांग-

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि क्षेत्र में गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही, गैस एजेंसियों पर धूप से बचने के लिए शेड और पीने के पानी के इंतजाम कराए जाएं ताकि लोगों को इस अमानवीय स्थिति से राहत मिल सके।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में दिए निर्देश

गैस सिलेंडर बुकिंग एवं वितरण व्यवस्था की सुनिश्चित हो मॉनिटरिंग

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समयावधि पत्रों की विभागवार समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरण शेष कार्य दिवस में अनिवार्य रूप से निराकृत करें। किसी भी स्थिति में कार्रवाई के अभाव में शिकायतें लंबित न रहें। इसी तरह टीएल और जनसुनवाई पत्रों की भी समीक्षा कर निर्धारित समयावधि में निराकरण के लिए निर्देशित किया गया। टीएल बैठक में जिला कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से किशोरी बालिकाओं के निरंतर एचपीवी टीकाकरण, दो माह के खाद्यान्न उठाव व वितरण की सुचारू व्यवस्था सहित न्यायालयीन अवमानना याचिकाओं में जवाबदावा की समीक्षा भी की गई। साथ ही वर्तमान में गैस सिलेंडर स्टॉक व उपलब्धता के संबंध में जानकारी लेकर चर्चा की। जिला कलेक्टर ने कहा कि निरंतर रूप से सिलेंडर बुकिंग व वितरण की व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाए। प्रत्येक स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग भी हो और आवश्यकतानुसार गैस एजेंसियों पर टोकन वितरण व्यवस्था के माध्यम से गैस एजेंसीवार कर्मचारियों की ड्यूटी भी तय की जाए।

टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के जमीन आवंटन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा भी हुई। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर कोचिंग के व्यवस्थित रूप से संचालन के संबंध में भ्रमण कर एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। संकल्प से समाधान अभियान के तृतीय चरण में स्थानीय निकायवार शिविरों के व्यवस्थित रूप से आयोजन तथा आगामी 19 मार्च से आरंभ होने वाले 100 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान की आवश्यक तैयारियों की दृष्टिगत भी टीएल बैठक में निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

नशा सामग्रियों की रोकथाम के लिए करें जागरूक-

कलेक्टर ने टीएल बैठक में जिले की शैक्षणिक संस्थाओं में छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति अभियान तथा नशा सामग्रियों के उपयोग को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से निरंतर जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सतत रूप से प्रेरित कर इनका उपयोग न करने के लिए समझाईश दी जाए। शैक्षणिक संस्थाओं के परिसर के बाहर स्थित दुकानों पर भी खाद्य एवं सुरक्षा प्रशासन तथा पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जाए। मादक पदार्थों एवं गांजा की तस्करी पर रोक तथा सीएमएचओ को मेडिकल स्टोर संचालकों की बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

रैपुरा थाना अन्तर्गत रुपझिर मोड़ के पास जंगल में मिले अज्ञात शव की गुत्थी को 48 घंटे के भीतर सुलझाकर अंधे हत्याकांड का किया खुलासा

आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त पत्थर, मोटर साइकिल एवं मोबाइल फोन किया गया जप्त

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा थाना रैपुरा क्षेत्र में हुए अंधे हत्या कांड का मात्र 48 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 13.03.2026 को फरियादी वनरक्षक (बीट गार्ड) प्रेम शंकर द्वारा थाना रैपुरा में सूचना दी गई कि रुपझिर मोड़ के आगे दमोह रोड की ओर जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है, जिसका चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत है तथा गर्दन के दाहिने भाग में गंभीर चोट के कारण पहचान नहीं हो पा रही है। सूचना प्राप्त होते ही थाना रैपुरा पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मर्ग क्रमांक 03/26 तथा अपराध क्रमांक 51/26 धारा 103(1) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। थाना प्रभारी रैपुरा उपनिरीक्षक स्मिता सिंह द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एसडीओपी पवई श्रीमती भावना ढांगी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक स्मिता सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। साथ ही एफएसएल टीम सागर, डॉग स्क्वाड एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतक पर पत्थर से हमला कर उसकी हत्या की गई है। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान मृतक की पहचान करन चौधरी पिता दिनेश चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी कटनी के रूप में हुई। इसके पश्चात कटनी-दमोह रोड तथा कटनी क्षेत्र के दिनांक 11.03.2026 के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें मृतक करन चौधरी अपनी मोटरसाइकिल से दमोह की ओर जाता दिखाई दिया तथा उसके पीछे एक अज्ञात युवक बैठा हुआ दिखाई दिया। फुटेज से प्राप्त फोटो को मृतक के परिजनों एवं आसपास के लोगों को दिखाया गया, जिससे पीछे बैठे युवक की पहचान अमर केवट पिता अर्जुन प्रसाद केवट उम्र 18 वर्ष निवासी अमीरगंज, जिला कटनी के रूप में हुई। संदेही अमर केवट से पूछताछ करने पर उसने अपराध स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि पुराने विवाद एवं आपसी रंजिश के चलते दिनांक 11.03.2026 को रैपुरा के आगे पुलिया के पास जंगल में दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान दोनों के बीच फिर विवाद हो गया, जिस पर आरोपी ने वहां पड़े पत्थर से करन चौधरी के सिर एवं चेहरे पर वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मृतक की मोटरसाइकिल एवं मोबाइल लेकर कटनी चला गया तथा दोनों को जंगल में छिपाकर रख दिया। आरोपी के बताए अनुसार पुलिस द्वारा मृतक की मोटरसाइकिल एवं मोबाइल बरामद कर जप्त किए गए। आरोपी को दिनांक 15.03.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की विवेचना जारी है।

आरोपी का नाम व पता- अमर केवट पिता अर्जुन केवट, उम्र 18 वर्ष, निवासी अमीरगंज, जिला कटनी (म.प्र.)

जप्त सामग्री-

आरोपी के कब्जे से मृतक की पल्सर मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन, कुल कीमती लगभग 1,00,000 रुपये, जप्त किए गए।

सराहनीय योगदान-

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रैपुरा उपनिरीक्षक स्मिता सिंह, सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद बागरी, प्रधान आरक्षक अश्वनी सिंह, प्रधान आरक्षक रवि खरे, आरक्षक अतुल, अभिषेक, अजय, द्वारिका तथा महिला आरक्षक सुल्तान का सराहनीय योगदान रहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने ली समीक्षा बैठक

प्रोड्यूसर ग्रुप का हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

पन्ना। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी की अध्यक्षता में सोमवार को सामुदायिक प्रशिक्षण संस्थान पन्ना में ग्रामीण आजीविका मिशन के 38 प्रोड्यूसर ग्रुप की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर गुरप सदस्यों द्वारा संचालित कार्यों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। समीक्षा बैठक सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में दाल उत्पादक, अनाज क्रय विक्रय, डेयरी एवं बकरी क्रय विक्रय से जुड़ने वाले सदस्यों को व्यवसायिक दृष्टिकोण व गुणवत्ता प्रबंधन, ब्रांडिंग तथा बाजार से जुड़ाव के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उत्पादक समूहों को तत्काल राशि प्रदान कर कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित कुंदन कुमार द्वारा उत्पादक समूहों की व्यवसायिक कार्ययोजना के आधार पर कार्य करने तथा बाजार को दृष्टिगत रखते हुए आने वाले समय में फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी के शेयरधारक बनने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। उप संचालक पशुपालन डॉ. एन.के. गुप्ता ने सदस्यों को डेयरी एवं बकरी पालन के बारे में शासन की योजनाओं और दुग्ध उत्पादन बढ़ोत्तरी के संबंध में प्रशिक्षण दिया, जबकि जिला परियोजना प्रबंधक प्रमोद शुक्ला ने उत्पादक समूहों को कार्य के तरीके और सावधानियों के बारे में अवगत कराया। जिला प्रबंधक कृषि विभाग सुशील शर्मा ने उत्पादक समूहों की आवश्यकता तथा संधारित किए जाने वाले बुक्स ऑफ रिकार्ड के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में विकासखंड प्रबंधक विवेक कुमार मिश्रा, दिनकर गर्ग, बलभद्र द्विवेदी, सहायक विकासखंड प्रबंधक शीतल प्रसाद द्विवेदी, संध्या मिश्रा, मृत्युंजय त्रिपाठी, राजू साहू तथा प्रोड्यूसर ग्रुप के अध्यक्ष व सचिव भी उपस्थित रहे।

वन अमले की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना: विद्युत लाइन की स्पार्किंग से लगी आग पर वन विभाग ने पाया नियंत्रण

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के रैपुरा रेंज अंतर्गत पदस्थ परिक्षेत्र सहायक श्रीमती रंजना नागर घुटेही बीट के स्थायी कर्मियों के साथ नियमित रात्रि गश्ती पर दिनांक 15 मार्च 2026 को रात्रि में निकली हुई थी। गश्ती के दौरान पन्नादूरैपुरा मुख्य मार्ग के समीप वन क्षेत्र, बीट घुटेही के प्लांटेशन, के पास से गुजर रही 11 केवी उच्च दाब विद्युत लाइन में स्पार्किंग दिखाई दी, जिसके कारण लाइन में आग लग गई थी। स्पार्किंग के चलते नीचे वन क्षेत्र में भी आग फैलने लगी थी, जिससे वन क्षेत्र, वन्यजीव एवं आसपास के क्षेत्र को नुकसान होने की आशंका उत्पन्न हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन अमले ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए स्थानीय लोगों और राहगीरों को सुरक्षित दूरी पर रोककर तत्काल विद्युत विभाग के लाइनमैन से संपर्क किया तथा विद्युत आपूर्ति बंद करवाई। इसके पश्चात लाइन के नीचे लगी आग को तत्काल बुझाकर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया। बाद में विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर विद्युत लाइन का आवश्यक मरम्मत कार्य भी पूरा किया। वन विभाग द्वारा विद्युत विभाग के कर्मचारियों की त्वरित सहायता एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। उनकी तत्परता और समन्वय से संभावित वन हानि, जनहानि तथा वन्यजीवों को होने वाले नुकसान को समय रहते रोका जा सका।

गुनौर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले का खुलासा कर आरोपी को किया गया गिरफ्तार

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा थाना गुनौर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लुहारगांव में जान से मारने की नीयत से किए गए हमले के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 11/01/2026 को फरियादी लल्लूलाल रैकवार निवासी ग्राम लुहारगांव, थाना गुनौर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 10/01/2026 की शाम लगभग 07रू00 बजे उसका पुत्र भगवानदास रैकवार घर से घूमने के लिए निकला था, जो देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की गई, किंतु उसका कोई पता नहीं चल सका। रात्रि लगभग 04:00 बजे घर के बाहर कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर जब परिजन बाहर आए तो देखा कि भगवानदास रैकवार घर के दरवाजे के सामने अर्धनग्न अवस्था में खून से लथपथ पड़ा हुआ था तथा उसके गले से खून निकल रहा था, जिससे प्रतीत होता था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे वहां लाकर छोड़ दिया गया हो। फरियादी की सूचना पर थाना गुनौर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर अपराध क्रमांक 07/2026 धारा 109(1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक माधुरी अग्निहोत्री द्वारा घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एसडीओपी गुनौर श्री राजीव भदौरिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी गुनौर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तथा क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। उपचार उपरांत पीड़ति भगवानदास से पूछताछ करने पर उसने बताया कि दिनांक 10/01/2026 को बिहारी पाल उसे अमरी के ढाबे पर ले गया था, जहां दोनों ने शराब पी। शराब पीने के दौरान पुरानी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान बिहारी पाल ने मारपीट करते हुए अपनी जेब में रखे चाकू से भगवानदास की गर्दन पर वार कर दिया। घटना के बाद से आरोपी बिहारी पाल फरार चल रहा था। दिनांक 15/03/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी अपने गांव में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने घटना कारित करना स्वीकार किया। आरोपी के बताए अनुसार घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त किया गया है तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू की गई जप्त

आरोपी का नाम व पता- बिहारी लाल पाल पिता हक्के पाल, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम लुहारगांव, थाना गुनौर, जिला पन्ना (म.प्र.) जप्त सामग्री- घटना में प्रयुक्त एक चाकू जप्त किया गया है।

सराहनीय योगदान-

उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक अंकित मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक नाथूराम पांडेय, प्रधान आरक्षक यादवेंद्र सिंह, रामनारायण गौतम, रामकरण प्रजापति, मुन्नालाल तथा आरक्षक शिवेंद्र एवं वीनस का सराहनीय योगदान रहा।

खबर संक्षेप

गोविन्द गढ़ी, खजुराहो में होली एवं महिला दिवस पर स्नेह मिलन

खजुराहो। गोविन्द गढ़ी में होली एवं महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक स्नेहपूर्ण एवं आत्मीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आपसी सौहार्द और उल्लास के साथ पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर पन्ना की भाजपा नेत्री चन्द्रप्रभा तिवारी, कल्पना यादव, अनीता पाठक, जया यादव एवं वंदना सिंह सहित खजुराहो और राजनगर क्षेत्र से पधारी बहनों, भाभियों एवं चाचियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की संयोजक मयंका गौतम ने उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए क्लीन एवं ग्रीन खजुराहो की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अंताक्षरी, विभिन्न खेल, नृत्य एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर अपने उत्साह, प्रतिभा और व्यक्तित्व विकास का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का वातावरण पूरे समय हर्षोल्लास और आत्मीयता से सराबोर रहा।

सूना घर देख हाथ साफ कर गए चोर, गहनों के साथ रसोई का सिलेंडर भी ले उड़े

छतरपुर। छतरपुर जिले में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। शहर के वार्ड नंबर 17 बुंदेला बब्बा कॉलोनी, फोर लाइन के पास किराए के मकान में रहने वाले हरनाम सिंह यादव के घर में अज्ञात चोरों ने सूने मकान का फायदा उठाकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार हरनाम सिंह यादव 13 तारीख की शाम करीब 6 बजे अपनी पत्नी के इलाज के लिए ग्वालियर गए हुए थे। इसी दौरान घर खाली होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया गया है कि चोर घर से 5 किलो चावल, 5 किलो मूंग, 5 किलो अरहर की दाल, 5 किलो रिफाइंड, 3 किलो निरमा, भरा हुआ गैस सिलेंडर, साइकिल, प्रेस (इस्त्री) और दो चश्मे सहित कई घरेलू सामान अपने साथ ले गए। इतना ही नहीं, चोरों ने घर में रखे जेवरात और नकदी भी नहीं छोड़ी। जानकारी के मुताबिक पायल, करीब 10 तोला अठन्नी, मंगलसूत्र, चुन्नी, अंगूठी सहित लगभग 30 हजार रुपये नकद भी चोरी कर लिए गए।घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित हरनाम सिंह यादव ने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आरोप है कि अब तक पुलिस द्वारा इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

हरपालपुर थाना पहुंचे एसपी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरपालपुर। सोमवार को पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने हरपालपुर थाना परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में रखे आपराधिक रिकॉर्ड, दस्तावेजों और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने ककुनपुरा चौकी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी जायजा लिया और परिसर को स्वच्छ रखने के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाने में आने वाले फरियादियों को बेहतर माहौल मिलना चाहिए, इसके लिए साफ-सफाई और अनुशासन जरूरी है।निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिसकर्मियों से कानून व्यवस्था की स्थिति और क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों की जानकारी भी ली। साथ ही अपराध नियंत्रण को लेकर सतर्कता बरतने और नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी संजय राय सहित ककुनपुरा चौकी प्रभारी राजेन्द्र सिंह बागरी, थाना स्टाफ और पुलिस बल मौजूद रहा।

गैस की किल्लत के बीच एनएसयूआई का हल्लाबोल

बोले मोदी जी या तो नाली से गैस बनाने का फॉर्मूला दो या इस्तीफा

छतरपुर।

छतरपुर जिले में मचे गैस संकट और सिलेंडर के लिए दर-दर भटकती जनता के समर्थन में अब छात्र संगठन एनएसयूआई ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर खाली सिलेंडर रखकर केंद्र सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ तीखी नारेबाजी की।

सरकार पर साधा निशानाः मांगा नाली वाली गैस का फॉर्मूला

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई आईटी सेल के जिला अध्यक्ष अश्वनी मिश्रा ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई और किल्लत इस कदर बढ़ गई है कि गरीब की रसोई का बजट बिगड़ चुका है। मोदी जी ने एक बार कहा था कि नाली की गैस से भी चाय बनाई जा सकती है, तो अब या तो वो देश की जनता को नाली से गैस बनाने का फॉर्मूला दे दें या फिर इस नाकामी की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन की नई गाइडलाइंस और गैस एजेंसियों की लापरवाही के कारण आम जनता और बाहर से आकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को भारी परेशानी हो रही है। छात्रों का कहना है कि वे पढ़ाई छोड़कर घंटों गैस की कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं, इसके बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इस उग्र विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से अजय बिंदुआ, कुलदीप शर्मा, मंगल कुशवाहा, गौरव रिछरिया, बिट्टू गोस्वामी, अंशुल तिवारी, आशीष, अजय, अंकित अहिरवार सहित दर्जनों छात्र नेता उपस्थित रहे। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर गैस वितरण की प्रक्रिया सुचारू नहीं की गई, तो वे कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

महिला दिवस पर पतंजलि महिला समिति की योगासन प्रतियोगिता

छतरपुर।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला पतंजलि समिति, छतरपुर द्वारा योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर ताड़ासन, उष्ट्रासन, नौकासन तथा काग दौड़ जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अर्चना जैन ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महिला पतंजलि की जिला प्रभारी नीरजा पटैरिया ने महिलाओं से अधिक से अधिक योग कक्षाएं प्रारंभ करने का आह्वान किया। उन्होंने शीघ्र ही 3 से 5 दिवसीय योग शिविर आयोजित करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान श्री रामेश्वर दयाल सौनी 'भैरों' द्वारा दुर्गा एक्यूप्रेशर, हीलिंग तथा नाभि (धारण) को ठीक करने की पारंपरिक पद्धति से लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर महिला पतंजलि की पूर्व प्रभारी एवं संरक्षक सुधा पौराणिक, महाराजा कॉलेज के प्रोफेसर सुमति जैन, डॉ. अर्चना जैन, हर्षिता खरे, नीलम रावत, कल्पना चौधरी, डॉ. इन्द्रा गौतम, अनुराधा मिश्रा, कुसुम ताम्रकार, आशा रावत, ऐश्वर्या परिहार, शैल पटेरिया, आशा पटैरिया सहित महिला पतंजलि की टीम और अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

देश की पहली अष्टधातु से निर्मित 51 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा बनकर हुई तैयार

विशाल प्रतिमा का अनावरण समारोह 24 मार्च से, होंगे नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन

छतरपुर।

शहर के महोबा रोड स्थित जानराय टोरिया मंदिर में वर्ष 2018 से प्रारंभ हुई देश की पहली अष्टधातु से निर्मित 51 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा 7 वर्ष में बनकर तैयार हो चुकी है जिसके अनावरण हेतु मंदिर समिति द्वारा भव्य और विशाल 9 दिवसीय धार्मिक आयोजन आगामी 24 मार्च से किया जाएगा। भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक विधान का श्रीगणेश होगा। नौ दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के पश्चात आगामी 2 अप्रैल को हनुमान प्रकटोत्सव के शुभ अवसर पर 51 फीट ऊंची अष्टधातु से निर्मित हनुमान प्रतिमा का अनावरण देश भर से आए साधु संतों एवं अन्य अतिथियों के कर कमलों से किया जाएगा। भव्य और दिव्य आयोजन के लिए मंदिर प्रांगण में समितियों की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें शहर के सभी हिंदू संगठन एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। विभिन्न समितियों को जानराय टोरिया मंदिर के महंत भगवान दास श्रृंगारी महाराज ने जिम्मेदारियां सौंप दी हैं।

18 समितियां तैयार, कार्यक्रम को सफल बनाने मिली जिम्मेदारी

मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी लोकेश चौरसिया ने बताया कि गुजरे रविवार को आयोजन के लिए एक बैठक रखी गई थी जिसमें 18 समितियों को 9 दिवसीय धार्मिक महाकुंभ को सफल बनाने की जिम्मेदारी महंत भगवानदास श्रृंगारी द्वारा दी गई। कलश यात्रा की जिम्मेदारी शिवसेना प्रमुख मुन्ना तिवारी एवं उनकी टीम को मिली। आपातकालीन समिति में मुन्ना तिवारी, नितेश तिवारी, सुनील त्रिवेदी, सौरभ तिवारी, प्रखर भट्ट, आलोक टिकरिया, शुभम श्रीवास्तव, शंकर सोनी, लालचंद्र लालवानी, अतुल रैकवार, नीरज मिश्रा, राधे शुक्ला रहेंगे। अतिथि सत्कार समिति में लालचंद लालवानी, आलोक टिकरिया, दृगेंद्र देव सिंह चौहान, विपिन अवस्थी, शंकर सोनी, सोनू धालीवाल, भगवत शरण अग्रवाल, पंकज जैन शामिल किए गए। संत सत्कार समिति के लिए हनुमान दास महाराज, रामेश्वर दास महाराज, गोवर्धन दास महाराज के अलावा कर्मकांडी ब्राह्मणों को शामिल किया गया है। मीडिया व्यवस्था की जिम्मेदारी सचिन अग्रवाल, लोकेश चौरसिया, राजेंद्र त्रिवेदी, कमल अवस्थी को दी गई। साज सज्जा समिति में अनिल विश्वकर्मा एवं उनकी टीम रहेगी। इसके साथ ही आमंत्रण समिति में अमित शर्मा, दृगेंद्र देव सिंह चौहान, रमेश लालवानी, सौरभ तिवारी, राजेंद्र अग्रवाल, महेंद्र गांधी, गिरिजा पाटकर को रखा गया है। प्रशासनिक समन्वयक समिति का दायित्व राधेश्याम सोनी, लालचंद लालवानी, प्रखर भट्ट, शंकर सोनी, अखिलेश गोस्वामी, आलोक टिकरिया, अमित शर्मा, दिनेश तिवारी को दी गई, इसके साथ ही सामग्री आपूर्ति समिति में कौशलेंद्र दास महाराज, रामेश्वर दास महाराज, श्रीराम सोनी, प्रदीप चौधरी, चंद्रशेखर तिवारी शामिल है। भोजन भंडारा व्यवस्था समिति राजेंद्र अग्रवाल, अभिलेख मिश्रा, राहुल पटेरिया, गोकुल शर्मा, सुधीर पांडे, राहुल मिश्रा, अखिलेश गोस्वामी, मनीष खरे शामिल हैं। संत आवास एवं भोजन व्यवस्था में गोवर्धन दास, रामेश्वर दास, शीतल दास, महावीर दास, हनुमान दास को रखा गया है। सर्वव्यवस्था समिति में डॉ रविंद्र अरजरिया, हनुमान दास महाराज, कौशलेंद्र दास महाराज शामिल हैं। प्रचार प्रसार समिति में छोटू पंडित, लालाराम श्रृंगारी, राम सिंह राय, दिनेश रिछारिया रहेंगे। पार्किंग व्यवस्था छोटू पंडित, अखिलेश श्रीवास्तव, मुन्ना तिवारी, नितेश तिवारी की दी गई है। पेयजल समिति में अखिलेश गोस्वामी, धनीराम कुशवाहा को रखा गया जबकि मंच व्यवस्था में प्रखर भट्ट, सूरज बुंदेला, राधे शुक्ला, पवन मिश्रा शामिल हैं। कवि सम्मेलन की जिम्मेदारी प्रकाश पटेरिया को दी गई। यह 18 समितियां 9 दिवसीय धार्मिक महाकुंभ की व्यवस्थाओं को संभालने का दायित्व निभाएंगी।

पूर्व सैनिकों ने उठाई आवाज, सैनिकों और उनके परिवारों पर बढ़ते उत्पीड़न पर सरकार से कड़ी गाइड लाइन की मांग

छतरपुर।

जिले के पूर्व सैनिकों ने देश में सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के साथ बढ़ रही उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र तथा राज्य सरकार से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेते हुए सख्त गाइडलाइन जारी करने की मांग की है ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सके।

पूर्व सैनिकों ने स्पष्ट किया कि वे छतरपुर जिले के निवासी हैं तथा देश के संविधान में पूर्ण आस्था रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक सदैव देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने को तैयार रहते हैं। वे ईमानदारी, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर कर्तव्य निभाते हैं।

पूर्व सैनिकों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में सैनिकों तथा उनके परिवारों के साथ उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पहले ऐसी घटनाएं मुख्यतः आम लोगों द्वारा होती दिखती थीं, लेकिन अब पुलिस तथा प्रशासनिक तंत्र के स्तर पर भी सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक और निंदनीय है। उन्होंने कुछ हालिया उदाहरणों का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के झांसी में बुजुर्ग सूबेदार मेजर जगत नारायण शर्मा के साथ पुलिस द्वारा किए गए अत्याचार, भिंड जिले में सूबेदार मेजर राकेश सिंह के साथ हुई घटना, जालौन में पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह पाल की गिरफ्तारी तथा कानपुर में एक सेवारत सार्जेंट की पुलिस द्वारा पिटाई जैसे कई मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं ने सैनिक समुदाय तथा उनके परिवारों में गहरी असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। पूर्व सैनिकों ने सरकार से अपील की है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

पुलिस आरक्षक समेत 5 पर मारपीट और जातिसूचक गाली देने का आरोप

खेत में सो रहे परिवार पर हमला, एसपी से शिकायत

छतरपुर।

जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिरोंजखेरा निवासी भागचन्द्र अहिरवार ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर थाना बड़ामलहरा के आरक्षक सतीश यादव सहित कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन में बताया गया है कि 13 मार्च 2026 की रात करीब 11 बजे वह अपने परिवार के साथ खेत में बने टपरे में सो रहा था। इसी दौरान हरि अहिरवार, राजू अहिरवार, भैयालाल अहिरवार और बिहारी अहिरवार समेत लगभग 14 लोग दो जीपों में सवार होकर मौके पर पहुंचे। आवेदक का आरोप है कि इन लोगों ने लोहे के पाइप और डंडों से परिवार के सदस्यों पर जमकर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान भागचन्द्र के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनकी पत्नी कल्लोबाई, पुत्रियां प्रियंका और भारती तथा पुत्र राहुल और प्रिन्स को भी विभिन्न जगहों पर चोटें आईं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि घटनास्थल पर मौजूद पुलिस आरक्षक सतीश यादव और 112 वाहन के एक अन्य आरक्षक ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया तथा मारपीट में सहयोग किया। शिकायत में आगे कहा गया है कि आरोपियों ने ट्रैक्टर और थ्रेशर मशीन में तोडफ़ोड़ की तथा टपरे का सामान खेत में फेंक दिया। घटना के बाद जब भागचन्द्र रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचे तो उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। अब उन्होंने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जिले में बाघ के हमले से किसान गंभीर रूप से घायल

छतरपुर।

छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र के ग्राम कसार के निकट मुडिय़ा पहाड़ के जंगल में सोमवार को एक बाघ ने लकड़ी काटने गए किसान पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में 60 वर्षीय किसान शंकर रैकवार गंभीर रूप से घायल हो गए। बाघ ने उनके कान को काट दिया और शरीर पर कई गहरे घाव कर दिए। ग्रामीणों की चीख-पुकार सुनकर बाघ जंगल की ओर भाग गया।

घटना के अनुसार शंकर रैकवार सोमवार को गांव से कुछ दूरी पर स्थित मुडिय़ा पहाड़ के जंगल में लकड़ी काटने गए थे। झाडिय़ों में छिपे बाघ ने पीछे से उन पर हमला कर दिया और उन्हें जमीन पर गिरा दिया। घायल किसान ने बताया कि बाघ करीब 6 से 7 फीट लंबा और लगभग ढाई फीट ऊंचा था। उसने हाथ, गर्दन, चेहरे और पीठ पर कई वार किए तथा कान भी काट लिया।

शंकर की चीख सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण ललित, बाबू रैकवार सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को देखते ही बाघ जंगल में भाग गया। ग्रामीणों ने घायल किसान को जंगल से बाहर निकाला और तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से उनकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पिछले कुछ समय से इलाके के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही थी। इस घटना के बाद ग्राम कसार और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, बाघ की मौजूदगी की जांच करने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। वन विभाग को घटना की सूचना दे दी गई है और जांच शुरू हो गई है।

बकस्वाहा में मुख्य मार्ग से शराब दुकान हटाने की मांग भाजपा मंडल अध्यक्ष ने तहसीलदार को सौंपा गया आवेदन

बक्सवाहा।

छतरपुर-जबलपुर मुख्य मार्ग पर संचालित आबकारी शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप खरे लल्ला द्वारा तहसीलदार भरत पांडे को आवेदन सौंपा गया। आवेदन में बताया गया कि मुख्य मार्ग पर शराब दुकान होने से क्षेत्र में कई सामाजिक, सुरक्षा और यातायात संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, इसलिए इसे किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है।

आवेदन में कहां गया की शराब दुकान मुख्य मार्ग पर है और वही से महाविद्यालय की छात्राओं का आवागमन रहता है। शराब दुकान होने के कारण छात्राओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा यह मार्ग छतरपुर-जबलपुर का प्रमुख मार्ग होने से यहाँ दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। दुकान के सामने भीड़ लगने और वाहनों के रुकने से यातायात बाधित होता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।आवेदन में यह भी बताया गया कि शराब दुकान के पास माता मंदिर और मस्जिद स्थित हैं, जहाँ श्रद्धालुओं का नियमित आवागमन रहता है। धार्मिक स्थलों के समीप शराब दुकान होना सामाजिक दृष्टि से उचित नहीं है। साथ ही आसपास अवैध अहाता संचालित होने की शिकायतें भी मिलती रहती हैं, जिससे क्षेत्र का वातावरण प्रभावित हो रहा है।

इसके अतिरिक्त दुकान के पास गैस सिलेंडर एजेंसी होने से सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरे की आशंका बनी रहती है। यह क्षेत्र व्यस्त व्यापारिक इलाका है, जहाँ दिनभर नागरिकों, व्यापारियों और ग्राहकों की आवाजाही रहती है।जिस कारण सुरक्षा के लिहाज से शराब दुकान को मुख्य मार्ग से अंदर खेतों में संचालित किया जाये। इस संबंध में तहसीलदार भरत पांडे ने बताया कि भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाएगा।

खबर संक्षेप

सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सबसे कारगर उपाय है एचपीवी टीकाकरण

कलेक्टर ने की एचपीवी टीकाकरण की अपील

रीवा । कैंसर घातक बीमारी है। महिलाओं में होने वाले कैंसर में सर्वाधिक प्रकोप सर्वाइकल कैंसर का होता है। इससे बचाव के लिए सबसे कारगर उपाय एचपीवी टीकाकरण है। यह टीका 14 और 15 वर्ष की किशोरी बेटियों को लगाया जाता है। रीवा जिले में समग्र पोर्टल के माध्यम से चिन्हित 27825 बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीके लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा है कि एचपीवी से बचाव का सबसे कारगर उपाय टीकाकरण है। इसी वायरस के कारण सर्वाइकल कैंसर का प्रकोप होता है। रीवा जिले में मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय बिछिया, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सेमरिया में चिन्हित किशोरियों को एचपीवी टीके निःशुल्क लगाए जा रहे हैं। यह टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सबसे कारगर उपाय होने के साथ-साथ पूरी तरह से सुरक्षित है। कलेक्टर ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि माता-पिता अपनी लाड़ली बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसे घातक रोग से बचाव के लिए एचपीवी टीका अवश्य लगवाएं। यह बेटियों के लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद होगा।

गैस एजेंसियों से खाली हाथ लौट रहे उपभोक्ता, दिन भर काट रहे चक्कर उपभोक्ताओं के मोबाइल में आ रहे डिलीवरी के फाल्स मैसेज

रीवा।

उपभोक्ताओं के मोबाइल में गैस डिले पर के आ रहे फर्जी मैसेज अब सिरदर्द बनते जा रहे है। घर में गैस पहुंच नहीं रही और मैसेज आ रहे है। बताया गया है कि शहर के कई उपभोक्ताओं के पास जनरेटेड मैसेज पहुंचने से अफरा-तफरी का वातावरण बन रहा है। बताया जाता है कि मैसेज में उपभोक्ता को उसके इनवायस और आईडी नंबर पर गैस डिलीवरी होने के साथ ही अगली बुकिंग की तारीख लिख कर मोबाइल पर भेज जा रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या हजारों में जिनकी बुकिंग के बाद तत्काल सिलेंडर डिलीवरी का मैसेज मिल रहे हैं। सबसे बड़ी उपभोक्ता गैस मिलने से रही, अगले 25 दिन उसकी बुकिंग ही सर्वर पर नहीं आएगी। ऐसे में प्रशासन भी कोई मदद करने की स्थिति में नहीं है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कंपनी और डीलर एजेंसी लोगों के मोबाइल पर फाल्स मैसेज भेज रहे हैं। डिपो से गैस के वाहन सिलेंडर लेकर नहीं आ रहे हैं, जिसके कारण एजेंसियोंके पास मौजूद स्टॉक में भारी कमी देखी जा रही है। यहां सबसे बढ़ते गैस सप्लायर कंपनी आईओसीएल है, जिसके सर्वाधिक उपभोक्ता बताए जाते हैं। इसके बाद एमपीसीएल, और बीपीसीएल के भी उपभोक्ता है। बताया जा रहा है कि सभी गैस डीलर्स लगातार घट रहे स्टॉक के कारण उपभोक्ताओं की डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे हैं।अगले दो दिन और संकटहालांकि बैकलॉग करीब करीब खत्म हो चुका है, लेकिन अब भी 1000 से अधिक उपभोक्ता लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि अगले दो-तीन दिन में संकट में कुछ हद तक कमी आ सकती है। यहां शहर से लेकर अंचलों तक एलपीजी सिलेंडर की किल्लत दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों पर आने वाले बुकिंग और होम डिलीवरी बताने वाले फाल्स मैसेज ने उपभोक्ताओं की बेचैनी और बढ़ा दी है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कंपनी द्वारा अथवा एजेंसी जनरेट इन मैसेज से उपभोक्ताओं को इस बात का डर सता रहा है कि आगे उन्हें 25 दिन तक गैस बुकिंग का अवसर नहीं मिलेगी। विडंबना की बात यह है कि उपभोक्ताओं की इस परेशानी का समाधान किसी स्तर पर नहीं किया जा रहा है। रविवार को अवकाश के बावजूद उपभोक्ता गैस रिफिल के लिए लाइन में घंटों खड़े रहे बाद में खाली हाथ वापस घर जाना पड़ गया।रेस्टोरेंट से 14 सिलेंडर जब्तखाद्य विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल ने रविवार शाम बीड़ा सेमरिया रोड पर संचालित रेस्टोरेंट और होटल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 14 एलपीजी के सिलेंडर जब्त किए गए हैं। रेस्टोरेंट और होटल संचालक के विरुद्ध आपूर्ति और वितरण विनियमन आदेश 2000 का उल्लंघन पाए जाने पर ईसी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। बताया गया है कि बीड़ सेमरिया रोड में जायका जंक्शन रेस्टोरेंट से 3, सिंह रायल रेस्टोरेंट से 6 और रवींद्र होटल से 5 कुल 14 घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए हैं। बता दे की यहां उपभोक्ता सिलेंडर के लिए रात से ही लाइन में लग रहा है और होटलों में बेखौफ गैस की टंकियां आसानी से उपलब्ध हो रही है। बता दे कि इस की जानकारी जब कलेक्टर तक पहुंची तो कार्यवाही की गई।

किसानों को दी गई प्राकृतिक खेती की समझाइश

रीवा

विकासखंड त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत कलवारी एवं ग्राम पंचायत घूमा में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत चयनित क्लस्टर में जैव आदान संसाधन केंद्र का भौतिक सत्यापन संयुक्त संचालक यूपी बागरी एवं संजय श्रीवास्तव प्राचार्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र कुठुलिया द्वारा किया गया। अधिकारियों द्वारा बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर का भ्रमण कर सभी उपयोगी उपकरणों एवं प्राकृतिक खेती के घटकों का निरीक्षण किया गया जो पूर्णतः सही पाया गया। इस दौरान उप संचालक द्वारा प्राकृतिक खेती एवं नरवाई प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई एवं प्राचार्य द्वारा प्राकृतिक खेती के घटको पर विस्तृत चर्चा की गई। परिचर्चा में बीआरसी रवींद्र पटेल एवं अरुण पटेल द्वारा प्राकृतिक खेती से उगाई गई फसलो का भ्रमण कराया गया एवं किसानों की खेती से संबंधित समस्याओ का निराकरण किया गया। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी मनीष पटेल, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा भावना सिंह, कृषि सखी अनीता द्विवेदी, सुमन नीरत एवं क्लस्टर के जागरूक किसान उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के आवेदनों का करें निराकरण कलेक्टरलंबित आवेदन पत्रों का निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें

रीवा । कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी फरवरी माह में दर्ज शिकायतों तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में विभागों की रैंकिंग संतोषजनक नहीं है। लंबित आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें। विभाग की रैंकिंग ए श्रेणी में सुनिश्चित करें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नगरीय निकाय तथा श्रम विभाग आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। जिला आपूर्ति अधिकारी एलपीजी से संबंधित सभी शिकायतों का 24 घंटे में निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में 16 से 26 मार्च तक तीसरा चरण चलेगा। इसमें जिला स्तर पर आवेदन पत्रों का निराकरण किया जाएगा। लंबित आवेदन पत्रों का शत-प्रतिशत निराकरण करके प्रतिवेदन पोर्टल पर दर्ज कराएं। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रम विभाग में मजदूरों के पंजीयन से संबंधित सभी आवेदन पत्रों का निराकरण कराएं। जिस ग्राम पंचायत सचिव के पास 10 से अधिक आवेदन लंबित हैं उस पर पाँच हजार रुपए का जुर्माना लगाएं। कार्यपालन यंत्री पीएचई अभियान चलाकर खराब हैण्डपंपों में सुधार कराएं। हैण्डपंप सुधार के लिए अतिरिक्त राइजर पाइप तथा अन्य सामग्री की तत्काल व्यवस्था करें। जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से शुरू हो रहा है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकासखण्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ समारोहपूर्वक अभियान का शुभारंभ कराएं। अभियान के दौरान गत वर्ष के जल संरक्षण के अधूरे कार्यों को पूरा कराएं। कलेक्टर ने कहा कि किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व्यापक अभियान चलाकर टीके लगवाने के लिए 14 और 15 वर्ष की किशोरियों तथा उनके अभिभावकों की काउंसलिंग करें। अब परीक्षाएं समाप्त हो गई हैं। यह टीका किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से पूरी सुरक्षा देगा। हर माता-पिता अपनी बेटी को कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए टीका अवश्य लगवाएं। सोशल मीडिया में भी टीकाकरण से संबंधित पोस्ट नियमित रूप से करें। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लें। कलेक्टर ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले जिला स्तर पर पुस्तक मेले का आयोजन करें। पुस्तक मेला शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित करें। इसमें सभी प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। पुस्तक मेले का व्यवस्थित आयोजन कराएं जिससे अभिभावक पुस्तकें एवं अन्य सामग्री खरीद सकें। बैठक में कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था, सड़कों में सुधार, समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन की तैयारियों तथा बिजली आपूर्ति के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री त्योंथर, जवा और सिरमौर में बैठक लेकर विद्युत की नियमित आपूर्ति के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर सुरभि अग्रवाल तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीजेपी कार्यालय का घेराव करने निकले एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका, वाटर कैनन और आंसू गैस का किया इस्तेमाल, कई गिरफ्तार

रीवा। विभिन्न मुद्दों को लेकर छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को भाजपा कार्यालय के घेराव का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर रखे थे और प्रदर्शनकारियों को कार्यालय तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान प्रदर्शन उग्र हो गया, जिसके बाद पुलिस को वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। घटना के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया। जानकारी के अनुसार, एनएसयूआई के आह्वान पर बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता शहर में एकत्र हुए और भाजपा कार्यालय की ओर कूच करने लगे। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही कार्यालय के आसपास बैरिकेडिंग कर दी थी। जब लगभग 500 की संख्या में छात्र कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें राजपूत गन फैक्ट्री के सामने रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने पहले समझाइश दी, लेकिन प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने पर वाटर कैनन और आंसू गैस का सहारा लिया गया। इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। पुलिस ने मौके से कई उग्र प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि वे सरकार की विभिन्न नीतियों के विरोध में यह प्रदर्शन कर रहे थे। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे शिक्षा के वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। छात्र नेताओं ने केंद्र सरकार पर किसान विरोधी नीतियां अपनाने का भी आरोप लगाया और भारत-अमेरिका के संभावित व्यापारिक समझौतों को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहे एपस्टिन प्रकरण जैसे मामलों में देश के उद्योगपतियों और व्यापारिक हितों से जुड़े पहलुओं की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई।एनएसयूआई पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार समाज में विभाजन की राजनीति कर रही है। उनका कहना था कि देश में सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों का विरोध जारी रहेगा और आने वाले समय में संगठन व्यापक आंदोलन करेगा। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सीमित बल प्रयोग किया गया।

वाहनों की आवाज से लौटा जंगली हाथियों का जोड़ा, करियाझर जंगल में फिर डाला डेरा

रीवा । जिले के जंगलों में पिछले करीब दो सप्ताह से भटक रहा जंगली हाथियों का जोड़ा लगातार क्षेत्र बदल रहा है। वन विभाग की टीमें हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। जहां-जहां हाथियों की मूवमेंट की सूचना मिलती है, वहां संबंधित वन परिक्षेत्र की टीम तुरंत पहुंचकर निगरानी शुरू कर देती है, ताकि किसी तरह की जनहानि या नुकसान की स्थिति न बने। रविवार को हाथियों का जोड़ा गुढ़ क्षेत्र के करियाझर जंगल में देखा गया। बताया जा रहा है कि दोनों हाथी काफी देर तक इसी क्षेत्र में रुके रहे। वन विभाग के अनुसार, हाथी इसी रास्ते से पहले भी इस इलाके में पहुंचे थे और अब फिर उसी मार्ग से लौटकर यहां आ गए हैं।दरअसल यह हाथियों का जोड़ा बांधवगढ़ नेशनल पार्क के जंगलों से भटककर रीवा संभाग के इलाकों में पहुंचा है। पहले यह जोड़ा सीधी जिले की सीमा से होते हुए मऊगंज जिले में दाखिल हुआ था। यहां उकसा और लटियार गांव के आसपास भी कुछ समय तक हाथियों की मौजूदगी देखी गई थी, जिससे ग्रामीणों में भी हल्की दहशत का माहौल बना रहा। इसके बाद हाथियों का जोड़ा वापस लौटते हुए बहेरा डाबर के रास्ते फिर सीधी जिले की सीमा में चला गया। वहां चुरहट क्षेत्र के जंगलों में दोनों हाथी करीब दो दिन तक रुके रहे। इसके बाद उन्होंने करियाझर जंगल के रास्ते फिर से रीवा जिले की ओर रुख किया। जानकारी के मुताबिक, करियाझर से निकलकर हाथियों का जोड़ा सोलर पावर प्लांट के किनारे-किनारे मोहनिया घाटी के रास्ते भैरव बाबा क्षेत्र तक पहुंच गया था। इसके बाद आगे बढ़ते हुए हाथी टीकर क्षेत्र के जंगलों में भी कुछ समय के लिए रुके। इस दौरान गोविंदगढ़ क्षेत्र में छुहियाघाटी पार करते समय एहतियात के तौर पर पुलिस और वन विभाग ने रीवा-शहडोल मार्ग का ट्रैफिक कुछ समय के लिए रोक दिया था। अधिकारियों का कहना है कि हाथियों के सुरक्षित पार होने और किसी दुर्घटना से बचाव के लिए यह कदम उठाया गया। कुछ समय के लिए हाथियों का यह जोड़ा रीवा जिले की सीमा से बाहर निकल गया था,

निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की सूचना देना है अनिवार्य, सूचना नहीं देने पर हो सकती है कार्यवाहीनिर्माण कार्य की जानकारी देकर श्रमिक कल्याण में दें योगदान

रीवा । श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाने और श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल एप्प पर निर्माण स्थल का पंजीयन विवरण, कर्मचारियों की संख्या, स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है, जिस पर नियोजक श्रमिकों के लिए उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी दे सकते है। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों अनुसार किसी भवन या अन्य सनिर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पूर्व उस क्षेत्र में, जहां प्रस्तावित भवन या अन्य सनिर्माण कार्य किया जाना है, अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को स्थल, सुरक्षा उपाय सहित समस्त आवश्यक जानकारी साँझा करना अनिवार्य है। निर्माण स्थलों की जानकारी या सूचना एमपीबीओसीडब्ल्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है। सूचना न देने पर निरीक्षण के दौरान नियम उल्लंघन माना जा सकता है और नियोक्ता पर जुर्माना / कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम के प्रावधानो अनुसार यदि कोई नियोजक, धारा 46 के अधीन भवन या अन्य संनिर्माण कार्य के प्रारंभ की सूचना नहीं देता है, तो उसे कारावास; जिसकी अवधि तीन महीने तक की हो सकेगी या जुर्माना; जो दो हजार रुपए तक अथवा दोनों हो सकता है। ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की सूचना देने के लिए कंट्रोल रूम नंबर-18002338888 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। निर्माण कार्य का पंजीयन नहीं किये जाने पर नागरिक इस टोल फ्री नंबर पर जानकारी देकर शिकायत दर्ज करा सकेंगे।16/03/2026, 8:35pm - गुड्डू निगम रीवाः रीवा से रायपुर (छत्तीसगढ़) के लिए नवीन हवाई सेवा का शुभारंभ आज उप मुख्यमंत्री आज वायुयान द्वारा रायपुर रवाना होंगेरीवा । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा रवाना होकर 17 मार्च को सुबह 8 बजे रीवा पहुंचेगे तथा स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। शुक्ल शाम 4 बजे रीवा एयरपोर्ट में एलायंस एयर द्वारा रीवा से रायपुर (छत्तीसगढ़) के लिए प्रारंभ की जा रही नवीन हवाई सेवा का शुभारंभ करेंगे। तदुपरांत रीवा एयरपोर्ट से शाम 5 बजे वायुयान द्वारा रायपुर (छत्तीसगढ़) रवाना होंगे। शुक्ल 17 एवं 18 मार्च को रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

नरवाई न जलाने के संबंध में किसानों को किया जा रहा जागरूक

मऊगंज। कृषि विभाग द्वारा कृषक कल्याण वर्ष 2026 के परिपालन में कृषकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है विकासखण्ड मऊगंज के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत हटवा सोरेहान में नरवाई प्रबंधन की जानकारी दी। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमेश चंद्र द्वारा बताया गया कि फसलों की कटाई के बाद उनके जो अवशेष खेत में रह जाते हैं, उसे नरवाई या पराली कहते हैं। मशीनों से फसल की कटाई होने पर बड़ी मात्रा में नरवाई खेत में रहती है, इसको हटाने के लिए किसान प्रायः इसे जला देते हैं. इससे खेत की मिट्टी की उपरी परत में रहने वाले फसलों के लिए उपयोगी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, मिट्टी में कड़कपन आ जाता है जिसके कारण जलधारण क्षमता बहुत कम हो जाती है।

किसान नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि उपकरणों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर आदि का उपयोग करें जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है एवं पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होता है, साथ ही शासन द्वारा इन यंत्रों पर अनुदान भी दिया जा रहा हैं , जिसे लॉटरी सिस्टम से प्राप्त कर सकते है।

किसान धान, गेहूं और अन्य फसलों की नरवाई खेत से हटाने के लिए सुपर सीडर और हैप्पी सीडर का उपयोग करें। ये उपकरण किसी भी ट्रैक्टर, जो 55 एचपी के हों, उस में आसानी से फिट हो जाते हैं। इन के उपयोग से एक ही बार में नरवाई नष्ट होने के साथ साथ खेत की जुताई और बोआई हो जाती है, इससे जुताई का खर्च और समय दोनों की बचत होती है। इस दौरान विभागीय आमला जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे। अतः किसान भाईयों से अपील है कि नरवाई नहीं जलाएं, भूमि एवं पर्यावरण के संरक्षण में सहयोग करें।

जिला कलेक्टर द्वारा नरवाई जलाने पर भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत 2026-27 में प्रति घटना क्षतिपूर्ति अर्थदंड निर्धारित किया हैं। ऐसे कृषक जिनके पास 2 एकड़ से कम खेत में नरवाई जलाने पर 2500/- प्रति घटना क्षतिपूर्ति अर्थदंड देय होगा। जिनके पास 2-5 एकड़ खेत में नरवाई जलाने पर 5000/- प्रति घटना क्षतिपूर्ति अर्थदंड देय होगा। इसी प्रकार जिनके पास 5 एकड़ से अधिक खेत में नरवाई जलाने पर 15000/- प्रति घटना क्षतिपूर्ति अर्थदंड देय होगा।

राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करें- कलेक्टर

मऊगंज

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक में विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गत 6 माह से अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदारों को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और विभिन्न माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों का जवाब गुणवत्तापूर्ण और समय पर भेजा जाए। साथ ही न्यायालीन प्रकरणों में विभाग का पक्ष मजबूती से रखने के लिए 'जवाब दावा' समय पर प्रस्तुत करने की हिदायत दी गई।

बैठक में कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दो से पांच वर्षों से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े प्रकरणों का समय पर निराकरण होने से आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिलेगी। कलेक्टर ने बटवारा, नामांकन एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि इन प्रकरणों का नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण किया जाए। बैठक में भूमि आवंटन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विभिन्न सरकारी विभागों और कार्यालयों के लिए लंबित भूमि आवंटन की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए।

बैठक में लंबित सीएम मॉनिटरिंग के प्रकरणों, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली की प्रगति तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा स्वामित्व योजना के कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत समय-सीमा से बाहर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे। बैठक में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन तथा गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने केंद्र निर्धारण और किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया को त्रुटिहीन बनाने के निर्देश दिए। साथ ही। फार्मर रजिस्ट्री और सभी प्रकार की ई-केवाईसी के कार्य को तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिये ताकि कोई भी पात्र किसान योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।